कोलपोल, उदयपुर

[illegible]

पुनाजी [illegible]

नानुजी [illegible]

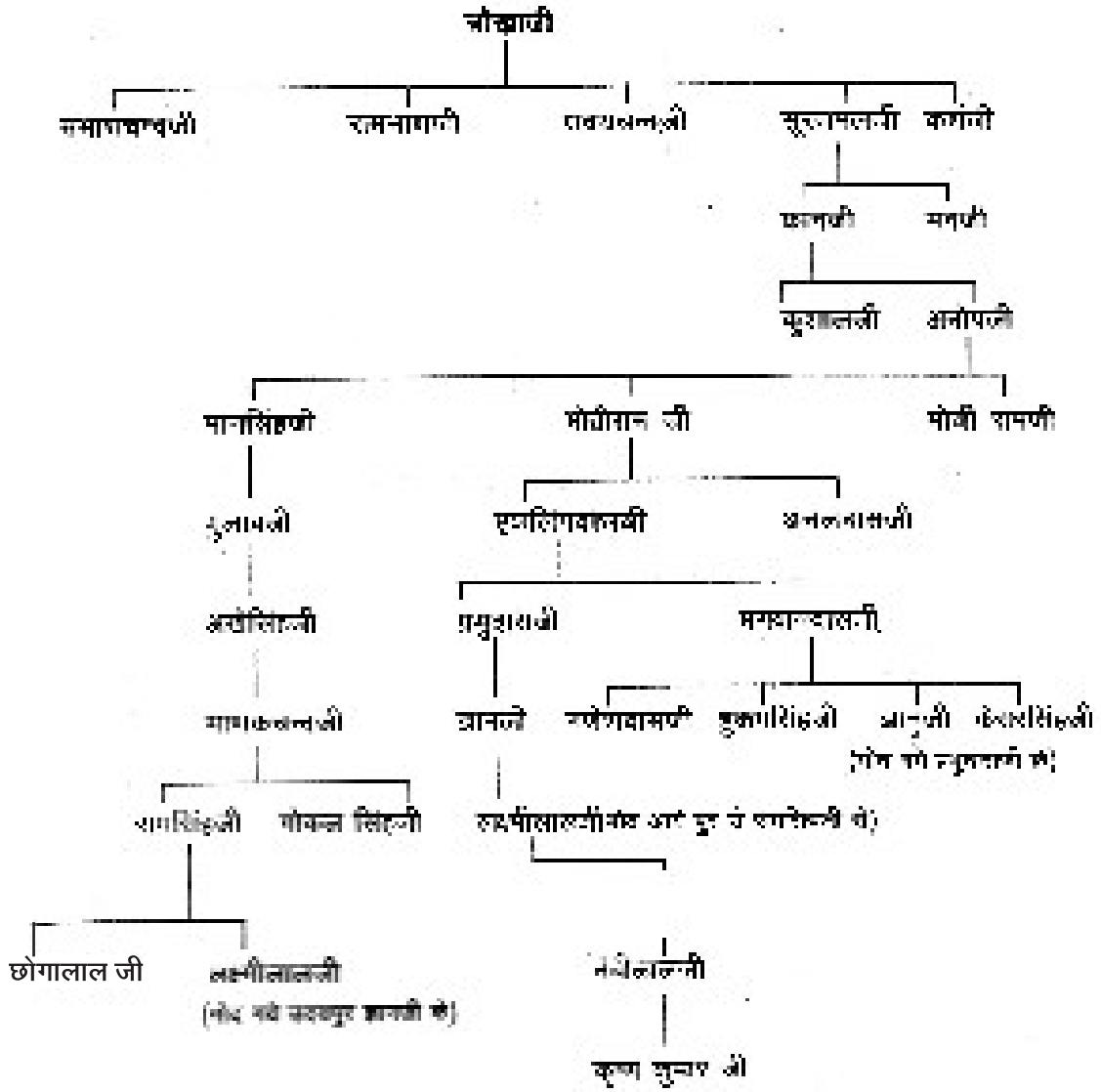

सिंघटवाड़ियों की सेहरी, उदयपुर

[illegible]

पृष्ठ संख्या 1 1 7 के स्थान पर इसे पढ़ा जाये।

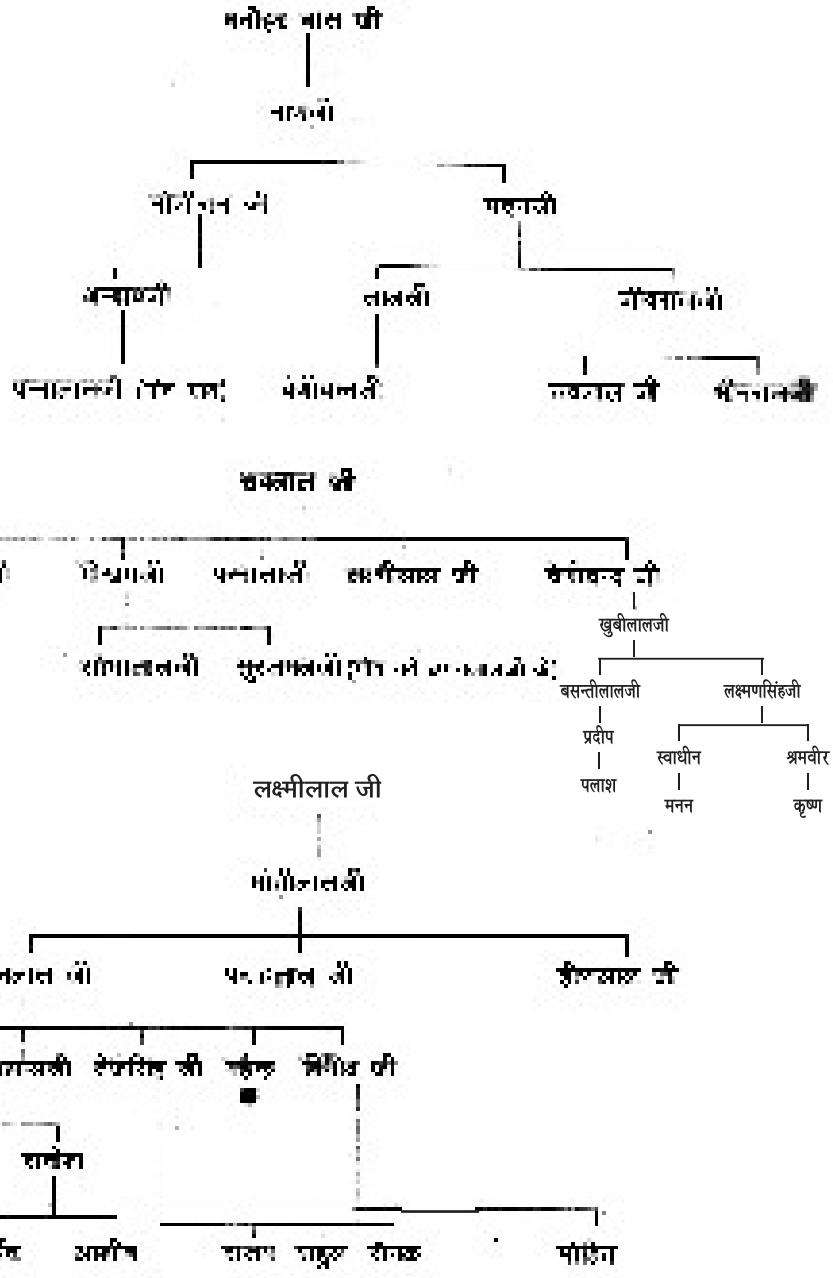

गणेश घाटी (गांगा गली), उदयपुर

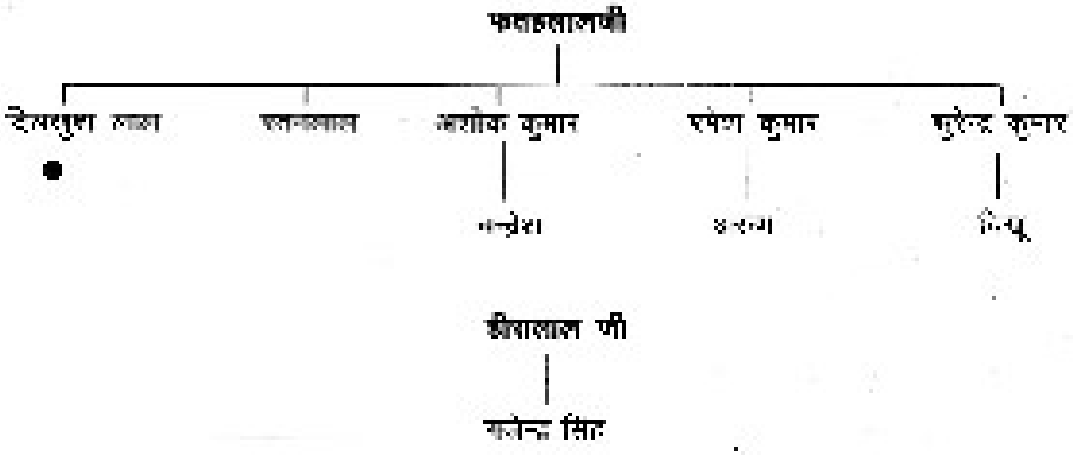

बोल्यों का चौक, उदयपुर

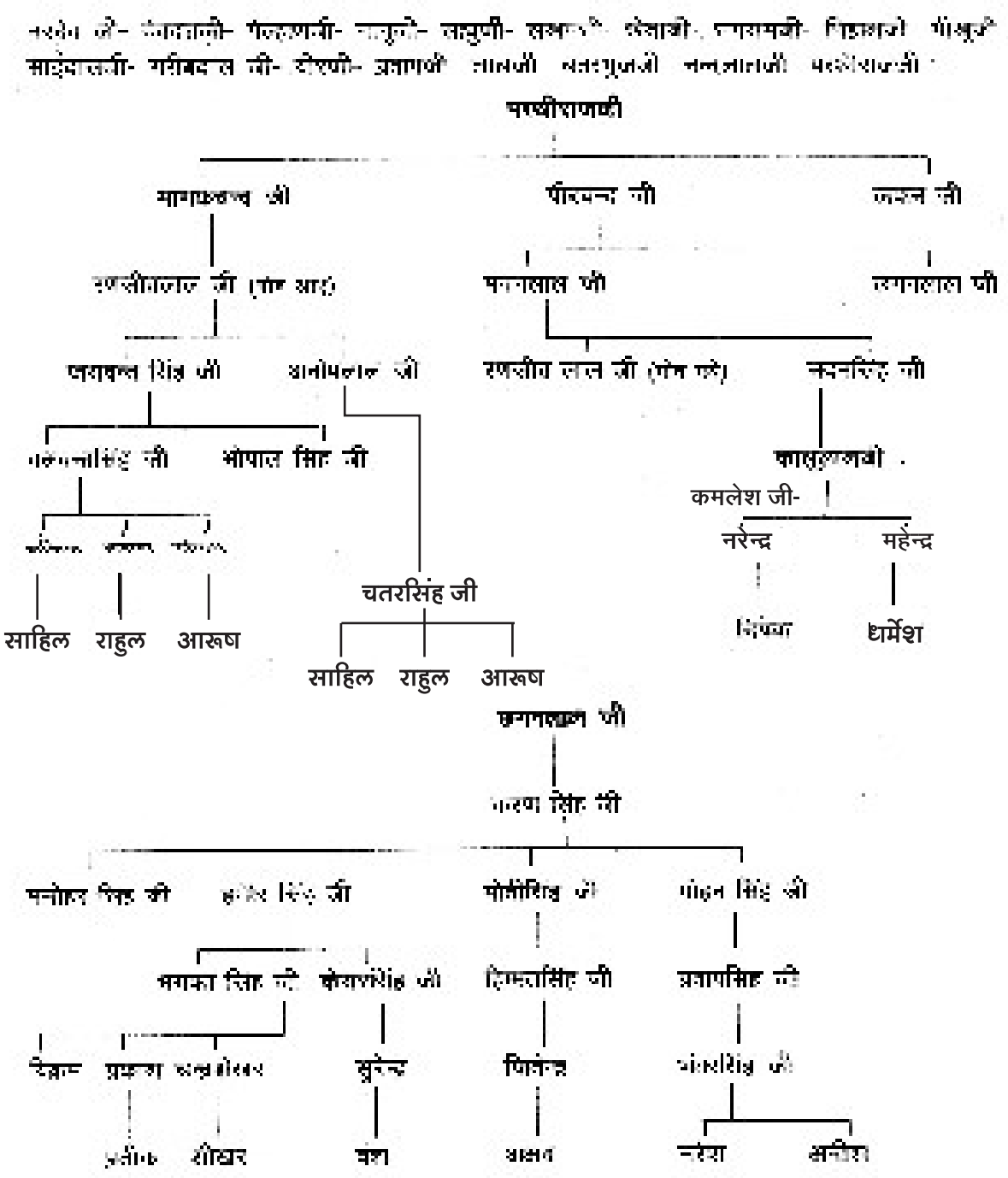

मोती मगरी, उदयपुर

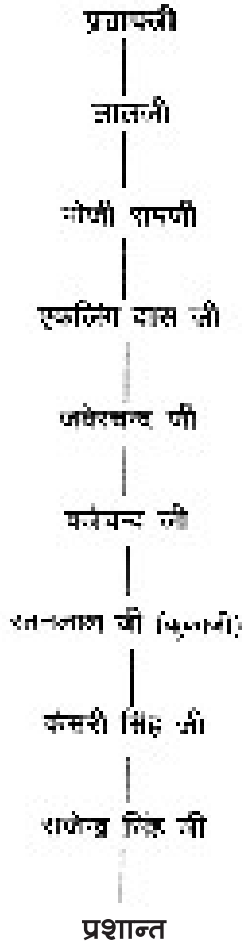

सुभाष मार्ग (उदयपुर)

गणेश घाटी

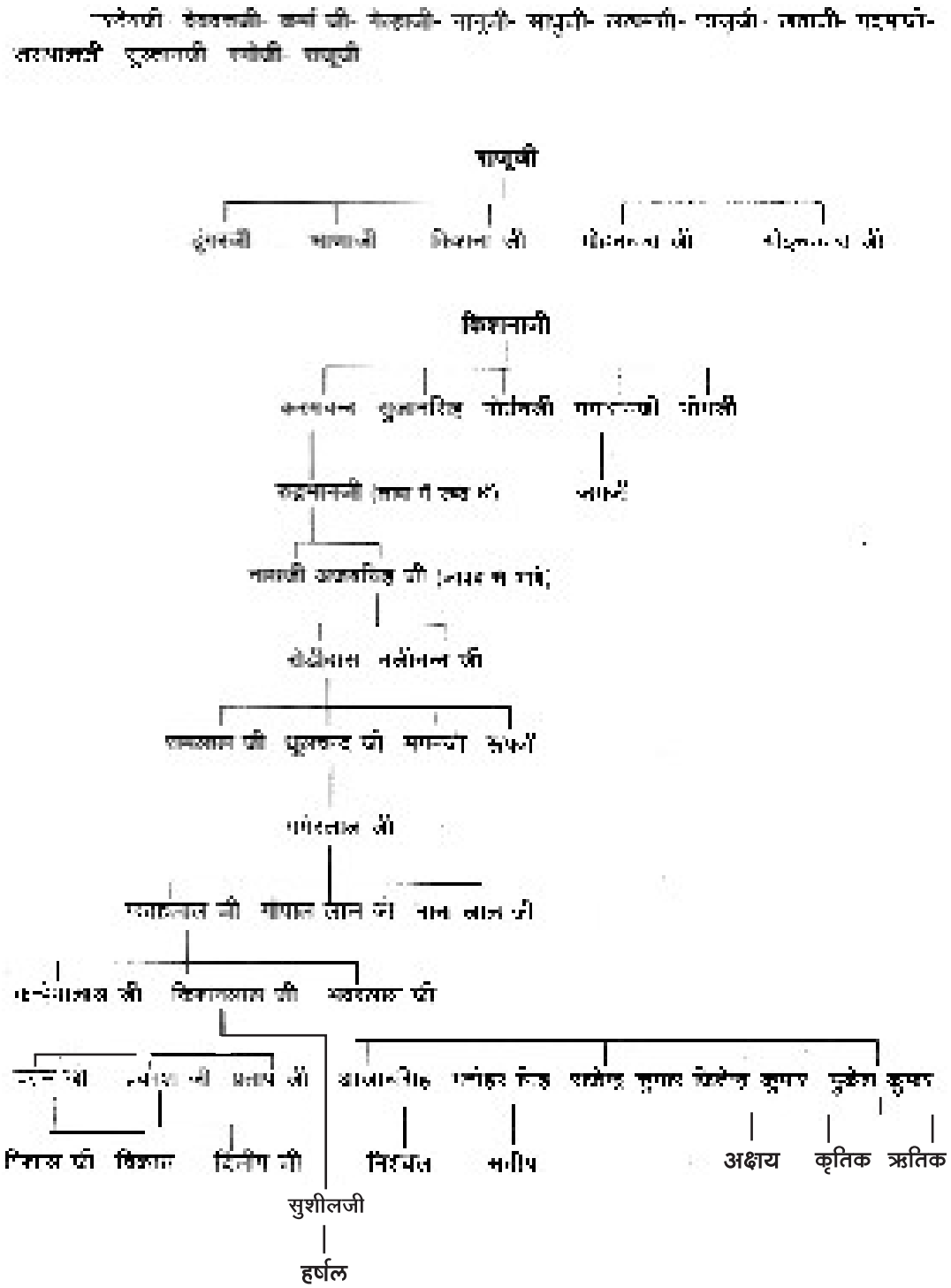

पंचायती नोहरा, उदयपुर

मनूजी- चेतोजी- पन्नाजी- जसराज जी- मुलतान जी- रामाजी- रूपजी- केशराजी- नारायण जी- भगजी- कानजी- रामजी- कनीराम जी- फूलजी (केसरीसिंह जी के गोद आये)।

फूल जी

कन्हैयालाल जी

मनोहर सिंह जी — मनदार सिंह जी

राजेन्द्र — मंजू — करण सिंह जी — दिलीप सिंह जी — लालचन्द सिंह जी

नवलेजी- हेमराज जी- देवकरणी- लालूजी- नरसिंह जी- हेमा जी- नारायण जी- हरकचन्द जी- कालाजी- नाथ जी- रामजी- राघजी- रुपाजी- नथ जी- जसपाल जी

जसपाल जी

मुरजी — मुलतान जी

भीमजी

नित्यराम जी

रुघनाथ जी

नानक जी

नाथ जी

भगवान जी

दौलतराम जी

मदन जी

कन्हैयालाल जी (गोद आये)

गोविन्द सिंह जी

नरसिंह जी

दालचन्द जी (गोद आये)

अंकित

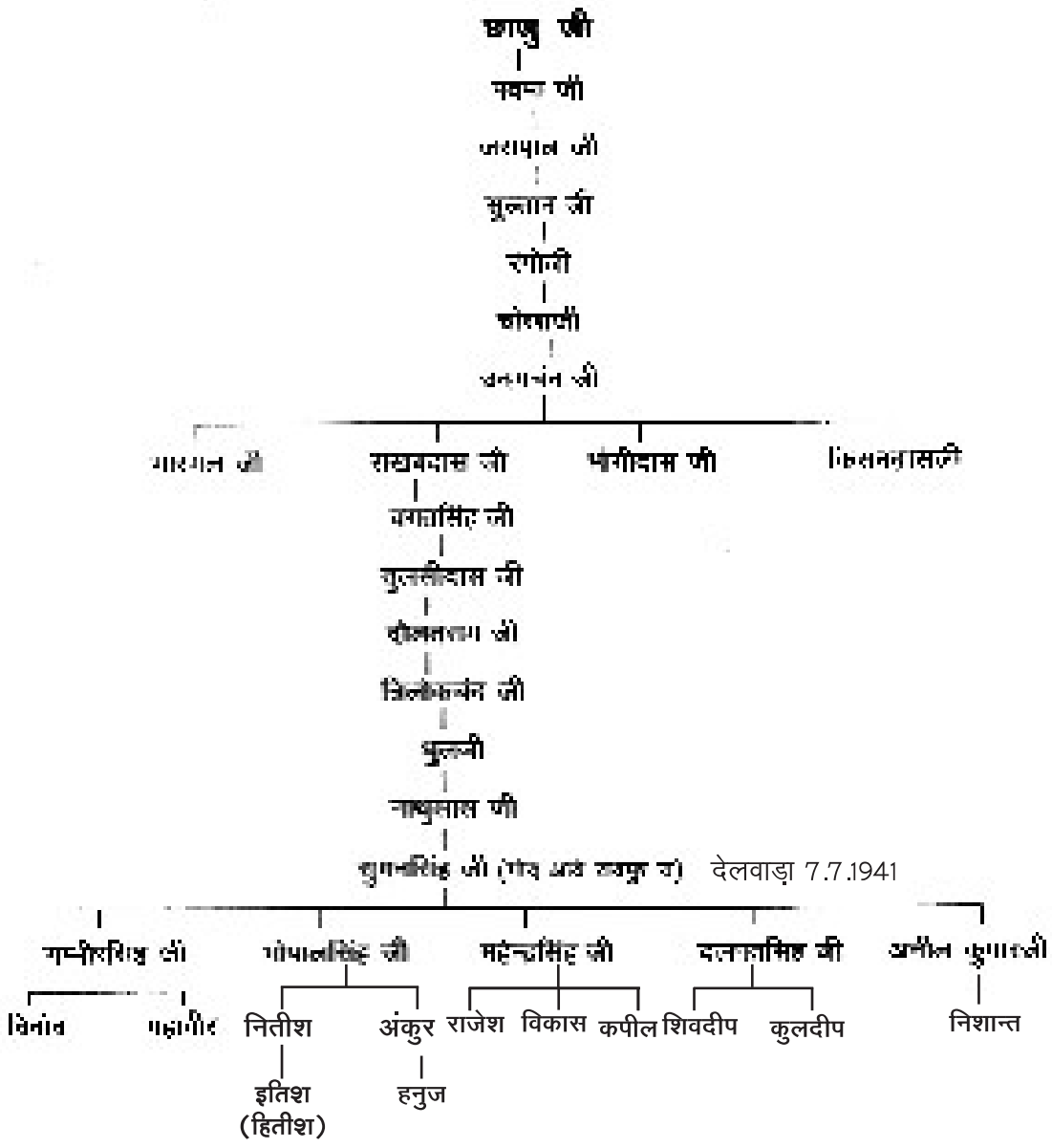

देलवाड़ा

कांकरोली

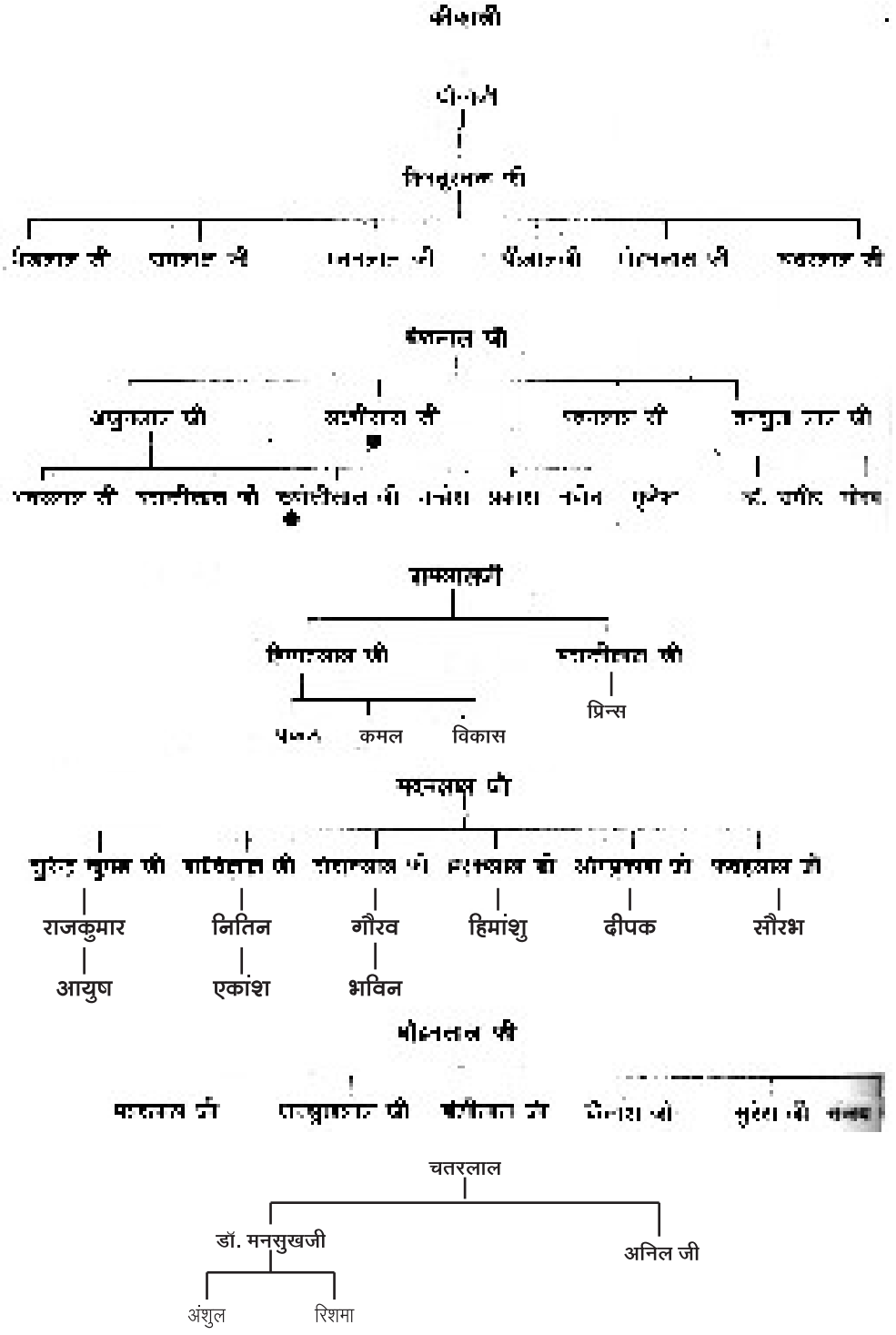

कमल
विकास
प्रिन्स
राजकुमार
नितिन
गौरव
हिमांशु
दीपक
सौरभ
आयुष
एकांश
भविन
चतरलाल
डॉ. मनसुखजी
अनिल जी
अंशुल
रिशमा

कांकरोली

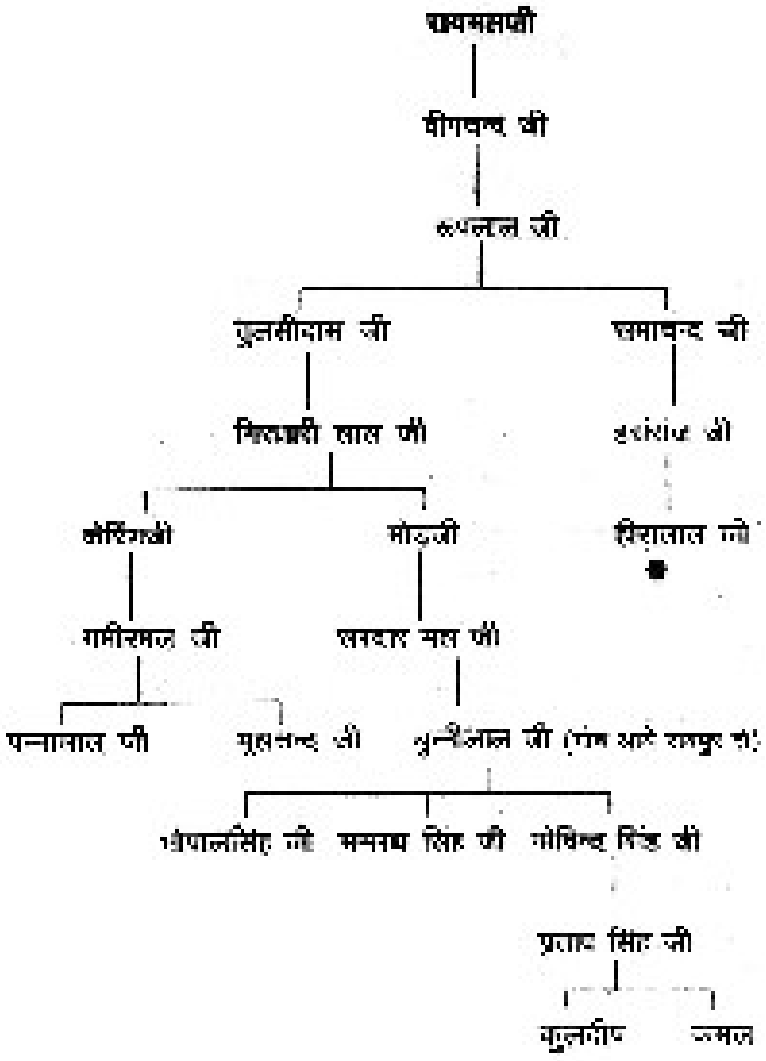

रूपलाल जी
तुलसीदास जी
गिरधारी लाल जी
गंभीरमल जी
पन्नालाल जी
मूलचन्द जी
भोपालसिंह जी
मन्मथ सिंह जी
गोविन्द सिंह जी
प्रताप सिंह जी
कुलदीप

गंगापुर

शोभा जी
हनुमान जी
मनीष

केसरीमल जी
फूलचन्द जी
हरीश जी
कृष्णचन्द जी
(अशोक नगर)
रमेशचन्दजी
जगदीशचन्द्र जी
राजीव
रोहित
दीपक
सौरभ
संजीव
साहिल

रायपुर

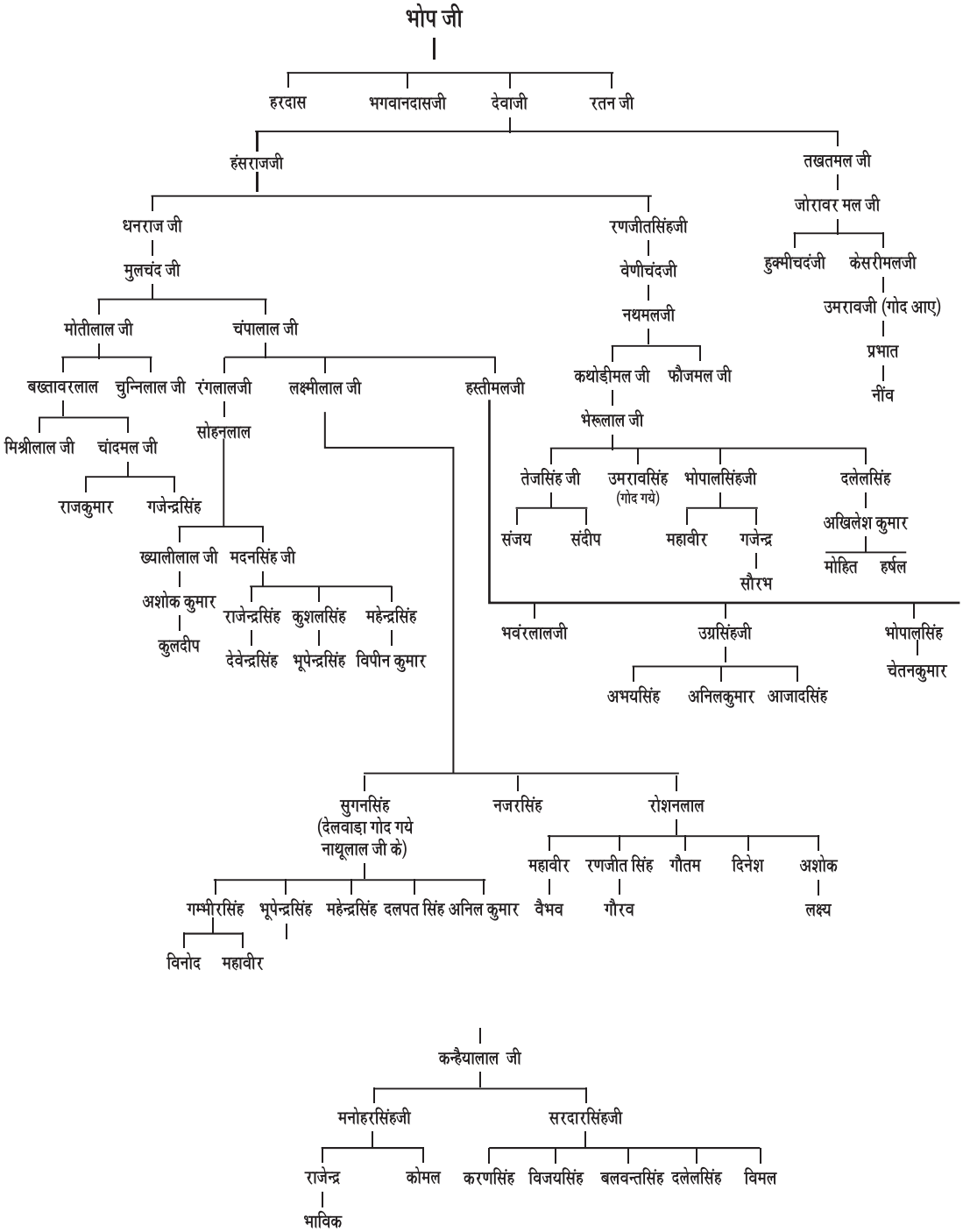
भोप जी
हरदास
भगवानदासजी
देवाजी
रतन जी
हंसराजजी
तखतमल जी
धनराज जी
मुलचंद जी
रणजीतसिंहजी
वेणीचंदजी
नथमलजी
जोरावर मल जी
हुक्मीचदंजी
केसरीमलजी
उमरावजी (गोद आए)
प्रभात
नींव
मोतीलाल जी
चंपालाल जी
बख्तावरलाल
चुन्निलाल जी
रंगलालजी
लक्ष्मीलाल जी
हस्तीमलजी
कथोडीमल जी
फौजमल जी
भेरूलाल जी
मिश्रीलाल जी
चांदमल जी
सोहनलाल
तेजसिंह जी
उमरावसिंह (गोद गये)
भोपालसिंहजी
दलेलसिंह
राजकुमार
गजेन्द्रसिंह
संजय
संदीप
महावीर
गजेन्द्र
सौरभ
अखिलेश कुमार
मोहित
हर्षल
ख्यालीलाल जी
मदनसिंह जी
अशोक कुमार
कुलदीप
राजेन्द्रसिंह
कुशलसिंह
महेन्द्रसिंह
देवेन्द्रसिंह
भूपेन्द्रसिंह
विपीन कुमार
भवंरलालजी
उग्रसिंहजी
भोपालसिंह
चेतनकुमार
अभयसिंह
अनिलकुमार
आजादसिंह
सुगनसिंह (देलवाडा गोद गये नाथूलाल जी के)
नजरसिंह
रोशनलाल
महावीर
रणजीत सिंह
गौतम
दिनेश
अशोक
गम्भीरसिंह
भूपेन्द्रसिंह
महेन्द्रसिंह
दलपत सिंह
अनिल कुमार
वैभव
गौरव
लक्ष्य
विनोद
महावीर
कन्हैयालाल जी
मनोहरसिंहजी
सरदारसिंहजी
राजेन्द्र
कोमल
करणसिंह
विजयसिंह
बलवन्तसिंह
दलेलसिंह
विमल
भाविक

पुर

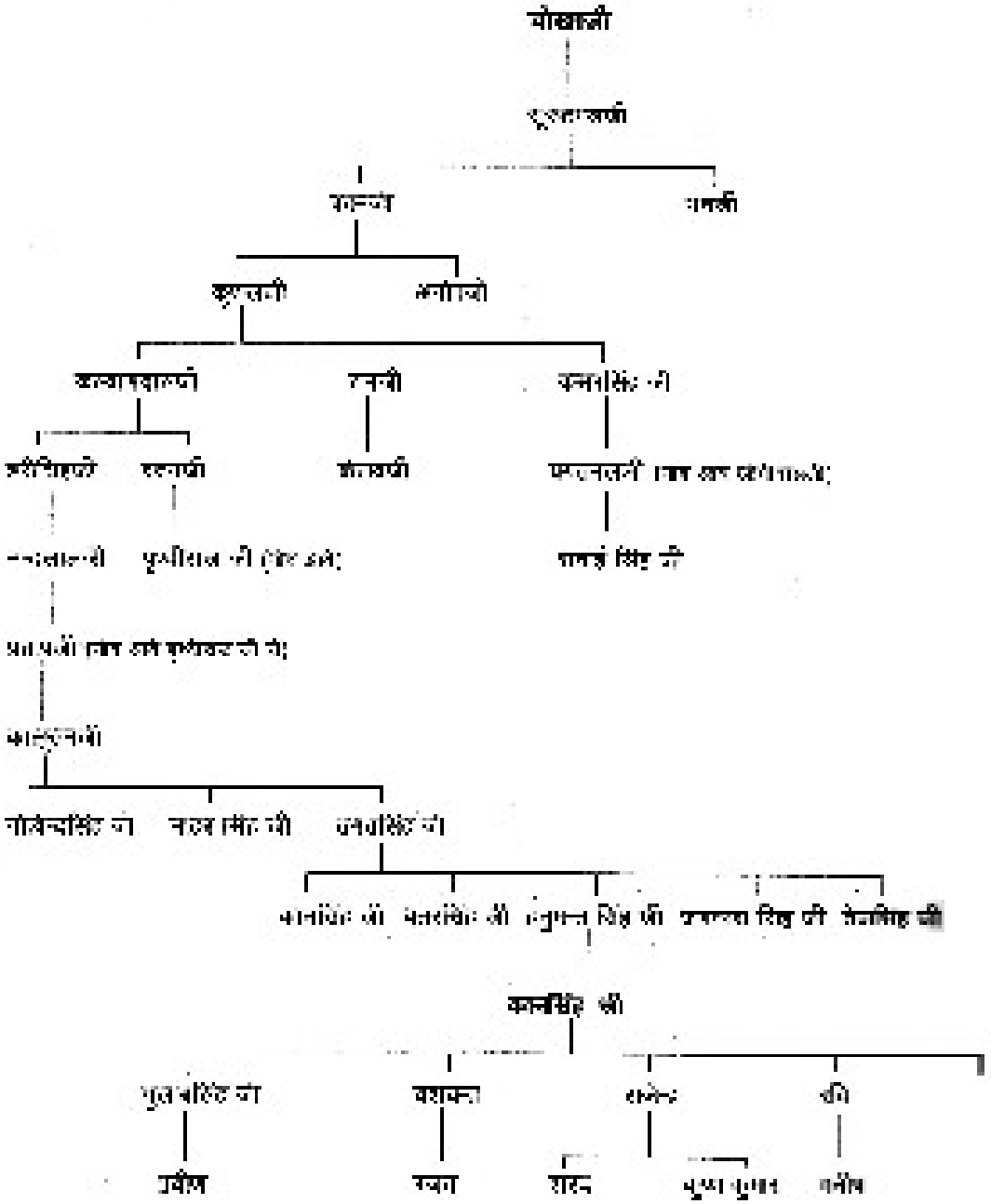

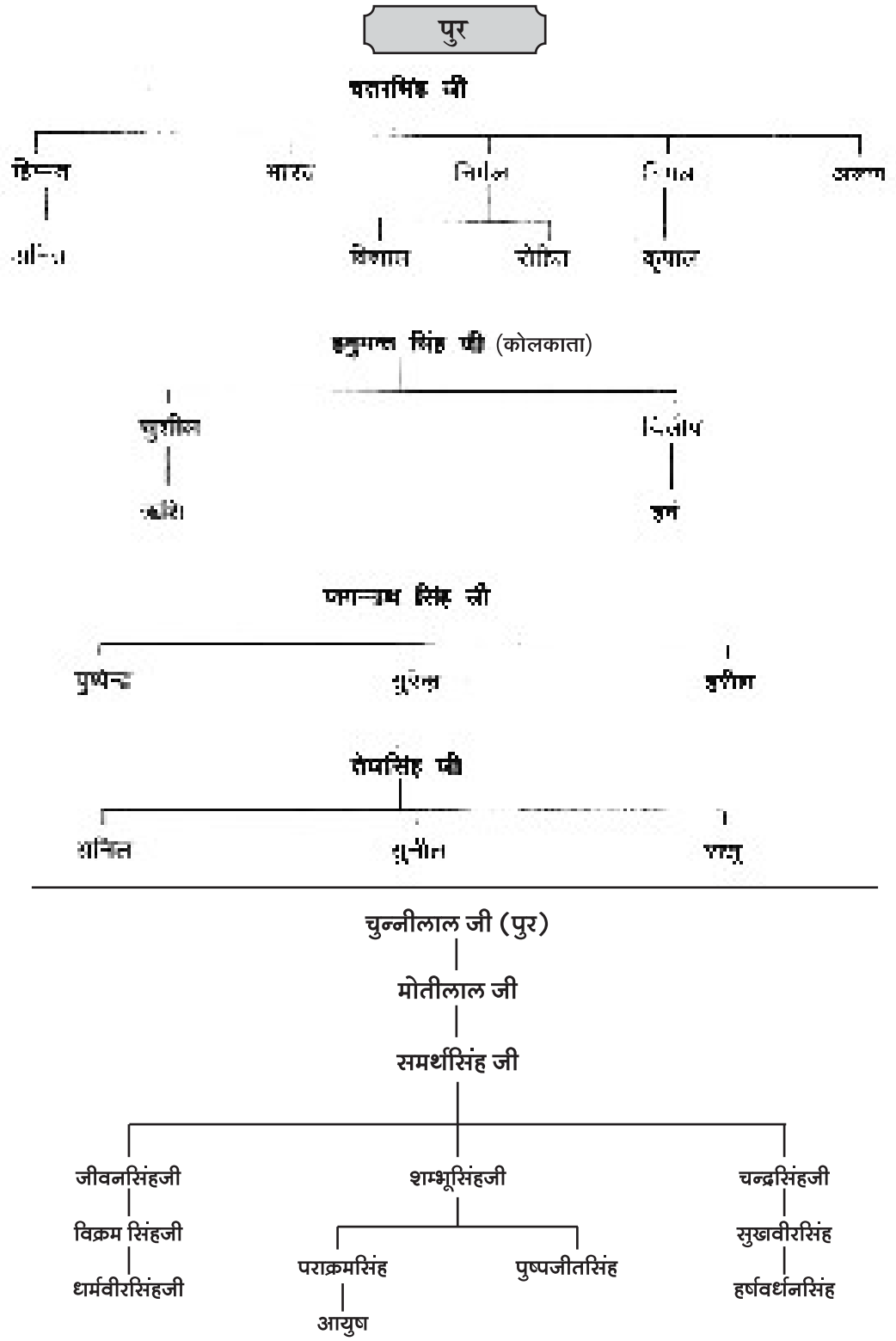
पुर
चुन्नीलाल जी (पुर)
मोतीलाल जी
समर्थसिंह जी
जीवनसिंहजी
विक्रम सिंहजी
धर्मवीरसिंहजी
शम्भूसिंहजी
पराक्रमसिंह
आयुष
पुष्पजीतसिंह
चन्द्रसिंहजी
सुखवीरसिंह
हर्षवर्धनसिंह

शाहपुरा

[illegible] मेगराज जी
[illegible]

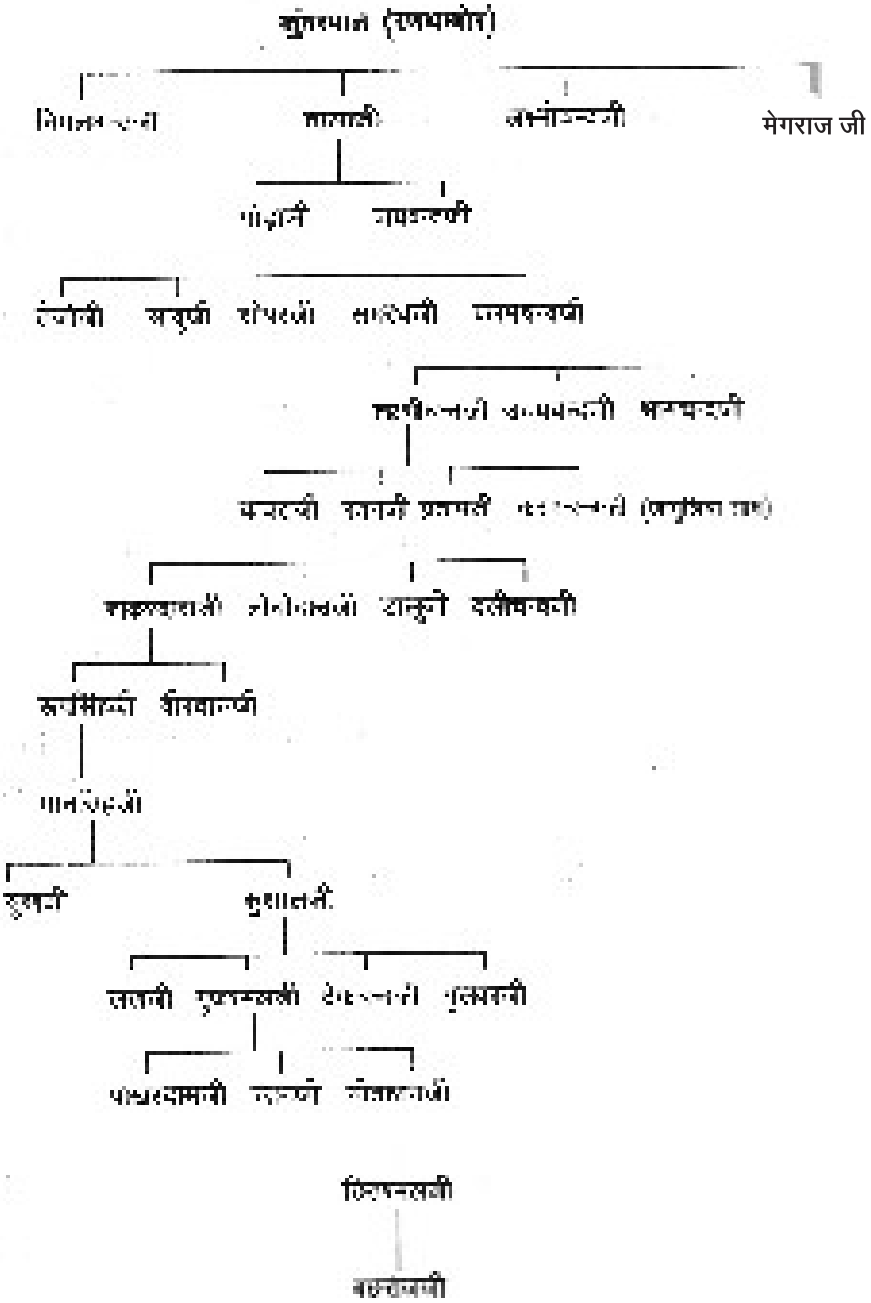

शाहपुरा

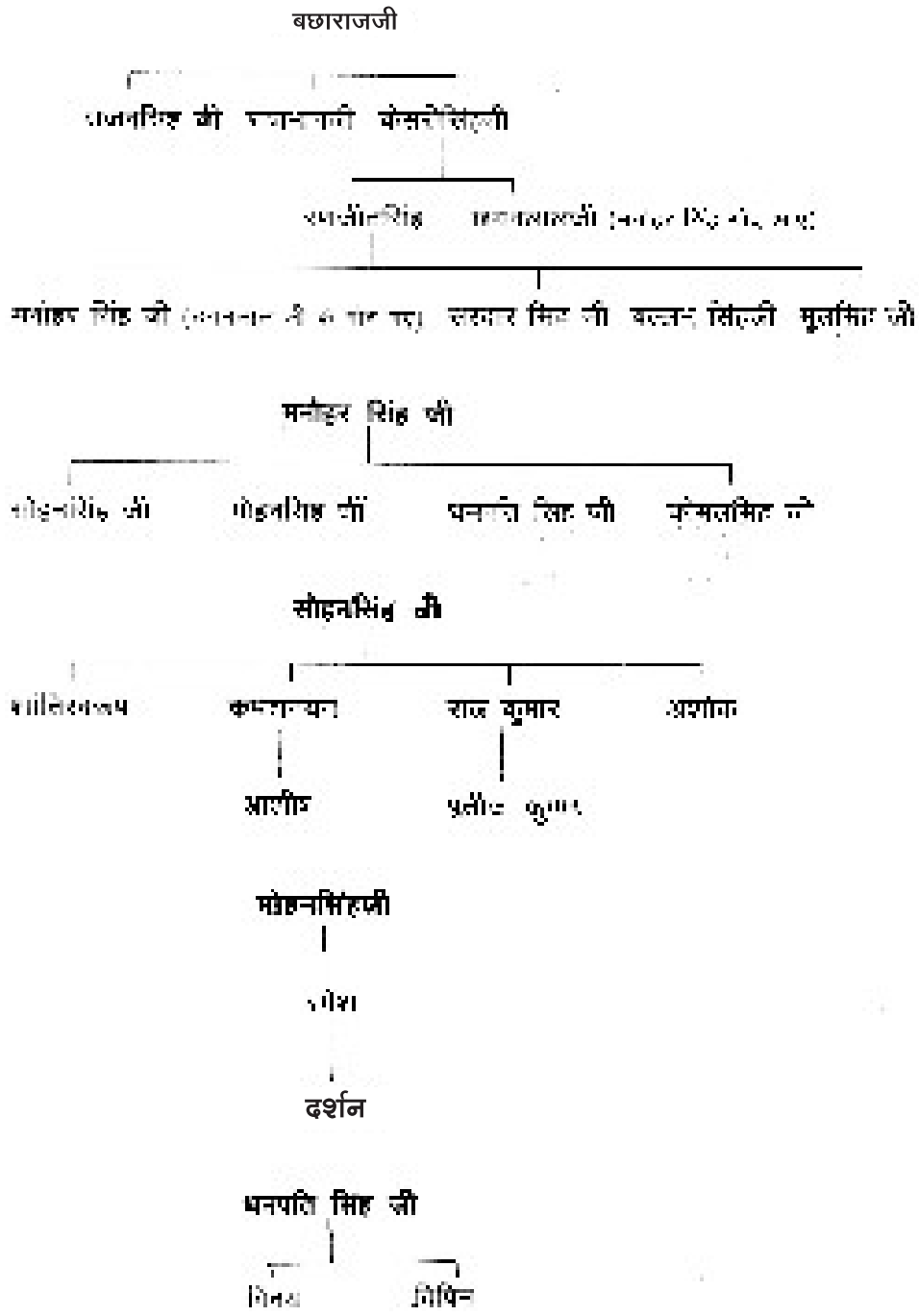

शाहपुरा

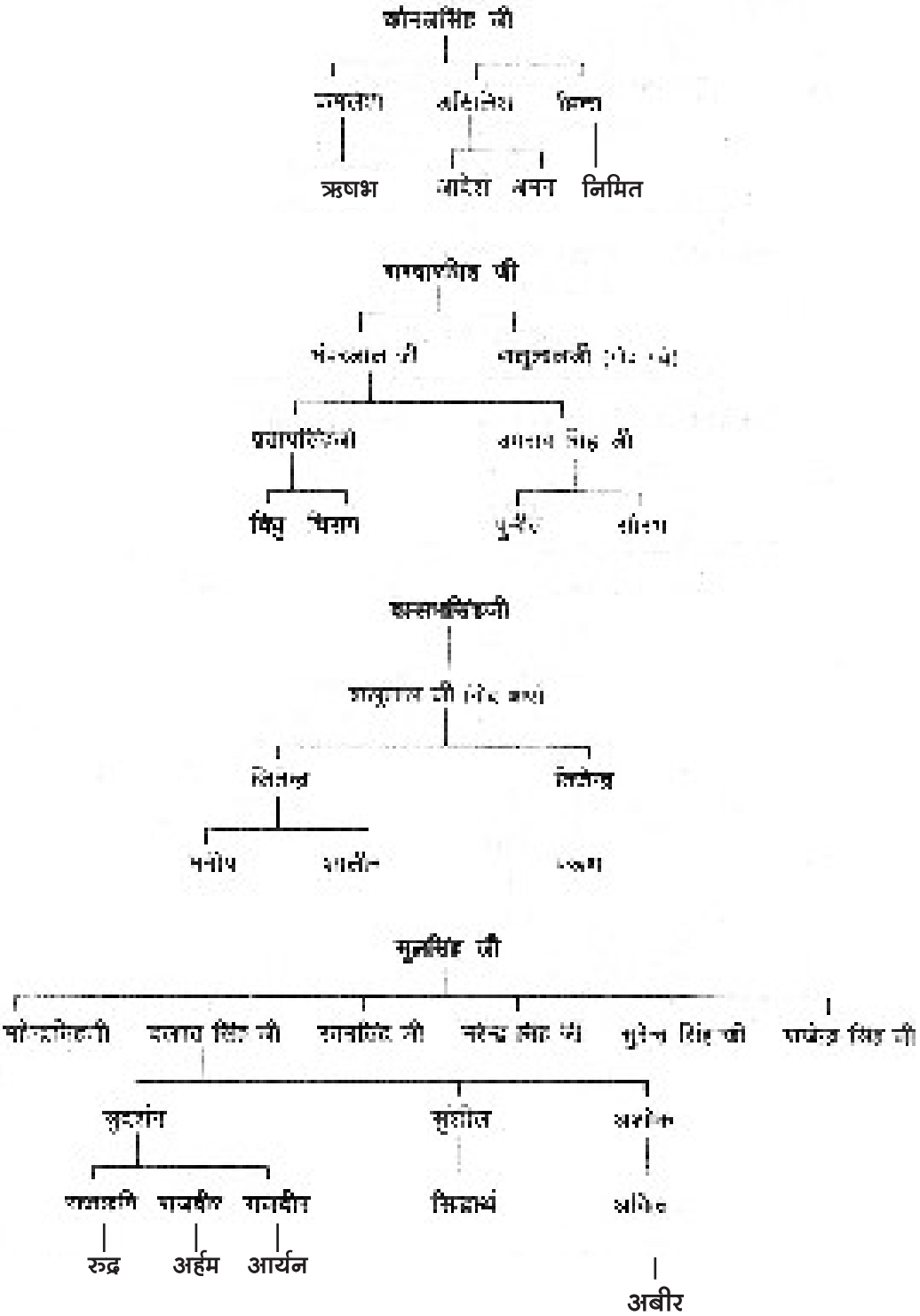

शाहपुरा

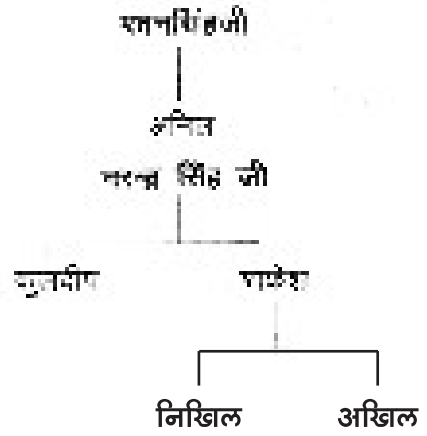

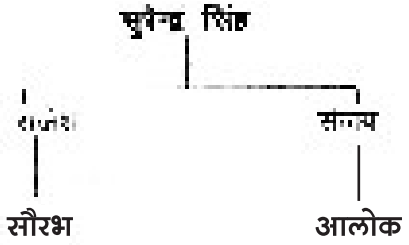

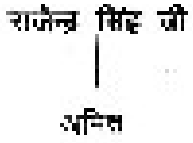

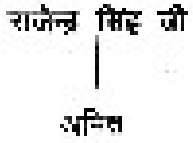

संक्षिप्त कार्यवाही-विवरण (2011-17)

बोल्या (बूंलिया) विकास संस्था ने वर्ष 2011 में संस्था की द्वितीय स्मारिका प्रकाशन के बाद गत 6 वर्षों में आप सबके सहयोग से काफी संगठनात्मक व सेवा कार्य सम्पन्न किये,जिनमें से कुछ का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार प्रस्तुत है : वर्ष 2011 तक संस्था के 120 आजीवन सदस्य थे, जो इन 6 वर्षों में 75 रत्न से अधिक वृद्धि के साथ अब 213 तक पंहुच गये हैं तथा अब भी शेष पुराने व नये सदस्यों को जोड़ने का अभियान जारी है।

पहले आजीवन सदस्यता शुल्क रू. 1000 (एक हजार) था जो बाद में बढ़ाकर रू. 1500(एक हजार पांच सौ) कर दिया गया तथा इस मद में प्राप्त समस्त राशि बैंक में सावधि जमा के रूप में सुरक्षित है, उसकी केवल ब्याज राशि ही व्यय की जाती है।

सरकार द्वारा जैनियों को भी अल्प संख्यक वर्ग में सम्मिलित कर लाभांवित करने की घोषणा के बाद संस्था द्वारा उदयपुर, भीलवाडा, चित्तौड़गढ़ आदि स्थानों पर अपने बंधु परिजनों को अल्पसंख्यक प्रमाण–पत्र बनवाने में सहायता प्रदान करने हेतु शिविर लगाये गये ।

संस्था के प्रादुर्भाव दिवस पर 'मेवाड महाराणा अमरसिंह व मुगल बादशाह जहांगीर के बीच संधि के मुख्य सूत्रधार रंगो जी बोलिया एवं अन्य कई ऐतिहासिक शोध–पत्रों के रचियता प्रसिद्ध इतिहासकार श्री बृजमोहन जावलिया का अभिनंदन किया गया।

2013 में संस्था की कार्यकारिणी सदस्यों के द्विवार्षिक चुनाव कराये गये ।

दि. 9.11.14 को उदयपुर स्थित मार्वल वाटर पार्क पर 'दीपावली स्नेह मिलन समारोह ' आयोजित किया गया ।

पुर (भीलवाडा–राजस्थान) स्थित अपने वंश की माताजी के मंदिर स्थल पर प्रति वर्ष एक बार नवरात्रि में शनिवार–रविवार को रात्रि जागरण व प्रसादी कार्यक्रम लगातार आयोजित किया जा रहे है, जिनमें सभी स्थानों से अपने परिवार बड़ी संख्या में भाग ले रहे हैं तथा यह वार्षिक सम्मेलन भी हो गया है। पहले इसका प्रबंध सदस्यों व संस्था के आर्थिक अंशदान से किया रहा था, बाद में माताजी के आशीर्वाद से गत दो वर्षों से हर वर्ष एक–एक सदस्य ने इसको प्रायोजित करना प्रारम्भ कर दिया तथा अगले तीन वर्षों के लिये प्रायोजक की अग्रिम घोषणा हो चुकी है, गत वर्ष 2016 में दि. 9 व 10 अप्रेल को इसका प्रायोजन पुर निवासी श्री शम्भूसिंह जी द्वारा किया गया. इस वर्ष 2017 में दि. 2 व 3 अप्रेल, 2017 को उदयपुर निवासी श्री रतनसिंह (आत्मज श्री जमनालालजी) द्वारा यह समारोह प्रायोजित किया गया। अगले वर्षों में भीलवाड़ा निवासी श्री निर्मल जी, भीलवाड़ा निवासी श्री प्रकाशचंद्र जी तथा पुर निवासी श्री जीवनसिंह जी द्वारा इनके प्रायोजन की अग्रिम घोषणा की जा चुकी है।

इस स्थल के विकास तथा सुविधा हेतु पास में एक भूखंड लेने के भी प्रयास किये जा रहे हैं तथा 'माताजी कोष' में लगातार राशि जमा होती जा रही है।

2015 में संस्था की कार्यकारिणी के सदस्यों के द्विवार्षिक चुनाव कराये गये, जिनमें सर्वसम्मति से तत्कालीन कार्यकारिणी सदस्यों को ही पुनर्निर्वाचित घोषित किया गया ।

संस्था द्वारा चिकित्सा शिविर भीआयोजित किये गये :

संस्था द्वारा माउंट आबू, 72 जिनालय–भीनमाल, सुमेर तीर्थ, आशापुरा माताजी (बोलिया वंश की कुलदेवी) नाडोल–नारलाई, सोनाणा भेरूजी, जीरावला पार्श्वनाथजी, रणकपुर आदि स्थलों की तीर्थयात्रा व पिकनिक आयोजित की गयी ।

संस्था की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर दि. 8.3.2015 को 'रजत जयंती' समारोह मनाया गया. संस्था के कार्य संचालन, स्थायी भवन व्यवस्था आदि हेतु केवल आजीवन सदस्यता शुल्क राशि की सावधि जमाओं पर प्राप्त ब्याज राशि अपर्याप्त होने से 'विकास कोष' प्रारम्भ किया गया, जिसमें कई सदस्यों ने काफी उत्साह से राशि जमा करायी.जिनकी सूची इस स्मारिका में दी गयी है ।

दि. 25 मार्च , 2017 को विज्ञान समिति, उदयपुर सभागार में आयोजित संस्था की साधारण सभा में द्वि वर्ष 2017–19 के लिये संस्था की कार्यकारिणी सदस्यों का निर्वाचन चुनाव अधिकारियों ई. रतनलाल जी बोल्या तथा श्री ऋषभ कुमार जी बोलिया द्वारा कराया गया। इसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष ई. येवन्ती कुमार बोल्या, उपाध्यक्ष श्री गम्भीरसिंह बोल्या, श्री राजकुमार बोल्या, श्री दलपतसिंह बोल्या (कांकरोली) व श्री मदनसिंह बोल्या (भीलवाड़ा), सचिव श्री चंद्रसिंह बोल्या, कोषाध्यक्ष श्री सुरेशचंद्र बोल्या, सह सचिव श्रीमती पुष्पा बोल्या निर्वाचित घोषित किये गये. बाद में कार्यकारिणी बैठक में कार्यकारिणी सदस्य भी मनोनीत किये गये ।

उदयपुर निवासी सदस्यों से गतिविधियों के संचालन हेतु आवश्यकतानुसार प्रति वर्ष रू. 500 अतिरिक्तवार्षिक अंशदान भी लिया जाता था, जिसे बाद में बढ़ाकर रू. 800 कर दिया गया ।

संस्था द्वारा उदयपुर में महाराणा भूपाल राजकीय चिकित्सालय, बड़ी स्थित क्षय (टी.बी.) चिकित्सालय आदि चिकित्सालयों में रोगियों को फल, जरूरतमंदों को वस्त्र, स्वेटर, कम्बल आदि का वितरण भी किया गया। इस हेतु कई सदस्यों द्वारा दान–राशि भी दी जा रही है ।

प्रति वर्ष पर्यूषण पर्व व संवत्सरी के बाद उदयपुर में सामुहिक क्षमापना समारोह भी आयोजित किये गये, जिसमें तपस्वियों का बहुमान भी किया गया । पहले इसका व्यय संस्था द्वारा वहन किया जाता था, बाद में इसको भी गत दो वर्षों से सदस्यों द्वारा प्रति वर्ष प्रायोजित करना प्रारम्भ कर दिया गया. इसका वर्ष 2016 में प्रायोजन श्री राजकुमार (आत्मज श्री लक्ष्मीलाल जी) द्वारा किया गया ।

इस वर्ष दि. 3 सितम्बर, 2017 को उदयपुर में श्री पद्मनाभ स्वामी (भावी चौबीसी के प्रथम तीर्थंकर) के मंदिर धर्मशाला के सभागार में आयोजित किया गया। इसका प्रायोजन ई. येवन्ती कुमार बोलिया द्वारा किया गया. इसमें सामुहिक क्षमापना, तपस्वियों के बहुमान व स्नेहभोज सानंद सम्पन्न हुए । अगले वर्षो में इस कार्यक्रम के प्रायोजन हेतु श्री ऋषभ कुमार बोलिया तथा श्री चन्द्रसिंह लक्ष्मीलाल जी बोलिया द्वारा घोषणा की गयी ।

स्मारिका के संकलन, प्रकाशन एवं प्रुफ चेकिंग आदि कार्य में उपाध्यक्ष श्री गम्भीरसिंह जी बोल्या का विशेष सहयोग रहा ।

समस्त कार्यवाही विवरण एवं निर्देशिका विवरण संस्था की वेबसाईट www.boliavikassanstha.org पर भी उपलब्ध करवाई जा रही है।

卐 24 तीर्थंकर 卐

अनुयोग द्वार सुत्रानुसार 1 धनुष की वर्तमान लम्बाई लगभग 63 इंच तथा 1 हाथ की लंबाई लगभग 16 इंच होती है।
सर्व आयु के कॉलम में पूर्व क अर्थ 84 लाख x 84 लाख = 70560 अरब वर्ष का 1 पूर्व होता है।

क्र. सं.	तीर्थंकर का नाम	पिता	माता	चिन्ह	चित्र	शासनदेव	शासनदेवी	वर्ण	सर्व आयु	शरीर मान	जन्म/ दीक्षा केवल्य ज्ञान स्थल	जन्म कल्याणक	दीक्षा कल्याणक	केवल्य ज्ञान कल्याणक	मोक्ष कल्याणक	निवार्ण भूमि	मुख्य भव
1	आदिनाथ जी	नाभिराजा	मरूदेवी	वृषभ		गोमुख	चक्रेश्वरी	स्वर्ण	84 लाख पूर्व	500 धनुष	इक्ष्वाकुभूमि	चैत्र वदी 8	चैत्र वदी 8	फाल्गुन वदी 11	माघ वदी 13	पालीताणा	13
2	अजितनाथ जी	जितशत्रु	विजया	हाथी		महायक्ष	अजिता	स्वर्ण	72 लाख पूर्व	450 धनुष	अयोध्या	माघ सुदी 8	माघ सुदी 9	पौष सुदी 11	चैत्र सुदी 5	शिखरजी	3
3	संभवनाथजी	जितारिजी	सेना	घोड़ा		त्रिमुख	दुरितारी	स्वर्ण	60 लाख पूर्व	400 धनुष	श्रावस्ती	मगसर सुदी 14	मगसरसुदी 15	कार्तिक वदी 5	चैत्र सुदी 5	शिखरजी	3
4	अभिनन्दनजी	संवर जी	सिद्धार्था	वानर		यक्षेश	काली	स्वर्ण	50 लाख पूर्व	350 धनुष	अयोध्या	माघ सुदी 2	माघ सुदी 12	पौष सुदी 14	वैशाख सुदी 8	शिखरजी	3
5	सुमतिनाथजी	मेघ जी	मंगला	क्रोंच पक्षी		तुंबुरू	महाकाली	स्वर्ण	40 लाख पूर्व	300 धनुष	अयोध्या	वै. सुदी 8	वै. सुदी 9	चैत्र सुदी 11	चैत्र सुदी 9	शिखरजी	3
6	पद्मप्रभजी	श्रीधर जी	सुषमा	पद्म		कुसुम	अच्युता	रक्त	30 लाख पूर्व	250 धनुष	कोशांबी	का. वदी 12	का. वदी 13	चैत्र सुदी 15	मगसर वदी 11	शिखरजी	3
7	सुपार्श्वनाथजी	प्रतिष्ठ जी	पृथ्वी	स्वस्तिक		मांतग	शान्ता	स्वर्ण	20 लाख पूर्व	200 धनुष	वाराणसी	ज्येष्ठ सु.12	ज्येष्ठ सु.13	फा. वदी 6	फा. वदी 7	शिखरजी	3
8	चन्द्रप्रभजी	महासेन जी	लक्ष्मणा	चन्द्र		विजय	ज्वाला	श्वेत	10 लाख पूर्व	150 धनुष	चन्द्रपुरी	पौष वदी 12	पौष वदी 13	फा. वदी 7	भादवा वदी 7	शिखरजी	7
9	सुविधिनाथजी	सुग्रीव जी	रामा	मगर		अजित	सुतारका	श्वेत	2 लाख पूर्व	100 धनुष	काकन्दी	मगसर वदी 5	मगसरवदी 6	कार्तिक सुदी 3	भादवा सुदी 9	शिखरजी	3
10	शीतलनाथजी	दृढ़रथ जी	नन्दा	श्री वत्स		ब्रह्मा	अशोका	स्वर्ण	1 लाख पूर्व	90 धनुष	भद्दिलपुर	माघवदी 12	माघवदी 12	पौष वदी 14	वैशाखवदी 2	शिखरजी	3
11	श्रेयांसनाथजी	विष्णु जी	विष्णु	गेण्डा		मनुजेश्वर	श्री वस्ता	स्वर्ण	84 लाख वर्ष	80 धनुष	सिंहपुर	फा. वदी 12	फा. वदी 13	माघ वदी 30	श्रावण वदी 3	शिखरजी	3
12	वासुपूज्य जी	वसुपूज्य जी	जया	भैंसा		कुमार	प्रवरा	रक्त	72 लाख वर्ष	70 धनुष	चम्पापुर	फा. वदी 14	फा. वदी 30	माघ सुदी 2	आषाढ़ सुदी 14	चम्पापुरी	3
13	विमलनाथ जी	कृतवर्मा जी	श्यामा	सुअर		षणमुख	विजया	स्वर्ण	60 लाख वर्ष	60 धनुष	कंपिलपुर	माघ सुदी 3	माघ सुदी 4	पौष सुदी 6	आषाढ़वदी 7	शिखरजी	3
14	अनंतनाथ जी	सिंहसेन जी	सुयशा	बाज		पाताल	अंकुशा	स्वर्ण	30 लाख वर्ष	50 धनुष	अयोध्या	वै. वदी 13	वै. वदी 14	वैशाख वदी 14	चैत्र सुदी 5	शिखरजी	3
15	धर्मनाथ जी	भानुजी	सुव्रता	वज्र		किन्नर	प्रक्षप्ति	स्वर्ण	10 लाख वर्ष	45 धनुष	रत्नपुर	माघ सुदी 3	माघ सुदी 13	पौष सुदी 15	ज्येष्ठ सुदी 5	शिखरजी	3
16	शांतिनाथ जी	विश्वसेन जी	अचिरा	मृग		गरूड़	जिर्वाणी	स्वर्ण	1 लाख वर्ष	40 धनुष	हस्तिनापुर	ज्येष्ठ वदी 13	ज्येष्ठ वदी 14	पौष सुदी 9	ज्येष्ठ वदी 13	शिखरजी	12
17	कुंथुनाथ जी	शूर जी	श्री देवी	बकरा		गंधर्व	सच्युता	स्वर्ण	95 हजार वर्ष	35 धनुष	हस्तिनापुर	वैशाख वदी 14	वैशाख वदी 5	चैत्र सुदी 3	वैशाख वदी 1	शिखरजी	3
18	अरनाथ जी	सुदर्शन जी	महादेवी	नंदावर्त		यक्षेन्द्र	धरणीदेवी	स्वर्ण	84 हजार वर्ष	30 धनुष	हस्तिनापुर	मगसर सुदी 10	मगसर सुदी 11	कार्तिक सुदी 12	मगसर सुदी 10	शिखरजी	3
19	मल्लिनाथ जी	कुंभ जी	प्रभावती	कलश		कुबेर	वैराग्या	नील	55 हजार वर्ष	25 धनुष	मिथिला	मगसर सुदी 11	पौष सुदी 11	पौष सुदी 11	चैत्र सुदी 4	शिखरजी	3
20	मुनि सुव्रत जी	सुमित्र जी	पद्मावती	कछुआ		वरूण	दत्ता	कृष्ण	30 हजार वर्ष	20 धनुष	राजगृह	ज्येष्ठ वदी 9	फाल्गुनसुदी 1	फाल्गुनवदी 12	ज्येष्ठ वदी 9	शिखरजी	9
21	नमिनाथ जी	विजयसेनजी	विप्रा	नीलकमल		भ्रकुटी	गंधारी	स्वर्ण	10 हजार वर्ष	15 धनुष	मिथिला	श्रावण वदी 8	आषाढ़वदी 9	मगसर सुदी 11	वैशाखवदी 10	शिखरजी	3
22	नेमीनाथ जी	समुद्रविजयजी	शिवा	शंख		गोमेध	अंबिका	कृष्ण	1 हजार वर्ष	10 धनुष	शौर्यपुर	श्रावण सुदी 5	श्रावण सुदी 6	कार्तिक वदी 30	आषाढ़ सुदी 8	गिरनारजी	9
23	पार्श्वनाथ जी	अश्वसेन जी	वामा	सर्प		पार्श्वयक्ष	पद्मावती	नील	100 वर्ष	9 हाथ	वाराणसी	पौष वदी 10	पौष वदी 11	चैत्र वदी 4	श्रावण सुदी 8	शिखरजी	10
24	वर्धमान स्वामी	सिद्धार्थ जी	त्रिशला	सिंह		मांतग	सिद्धायिका	स्वर्ण	72 वर्ष	7 हाथ	कुंडलपुर	चैत्र सुदी 13	मगसरवदी10	वैशाख सुदी 10	कार्तिकवदी 30	पावापुरी	27